आज भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, कवि-कुल श्रेष्ठ, पत्रकार,राजनेता पंडित अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्मदिन है। इस अवसर पर एक रक्तदान शिविर का आयोजन गुरु श्री गोरक्षनाथ ब्लड बैंक में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के ब्लड बैंक प्रभारी डा0 अवधेश अग्रवाल ने भारतीय राजनीति में शुचिता के पर्याय-पुरूष व मर्यादित वैचारिकी के अद्वितीय ध्वज-वाहक स्वर्गीय अटल जी को जन्मदिन पर कृतज्ञ प्रणाम करते हुए उन्हें नमन एवं वंदन किया। कुछ नाम ऐसे होते है जिनका जिक्र होते ही मन उनके प्रति श्रद्धा से अभिभूत हो जाता है, जैसे अटल बिहारी बाजपेयी राजनितिक सिद्धान्तों का पालन करने वाले महान नेता के रूप में हमेशा जाने जाते रहेंगे।

भारत के राजनितिक इतिहास में बाजपेयी जी का सम्पूर्ण व्यक्तित्व शिखर पुरुष के रूप में दर्ज है।उनकी आवाज के सभी कायल रहे हैं। डा0 अग्रवाल ने आगे बताया कि भौतिक रुप से हमारे बीच में न होने के बावजूद हर भारतीय के मानस पटल पर उनका धवल व्यक्तित्व आज भी जीवंत है, देश ही नही बल्कि विश्व पटल पर अटल सियासत के आजात शत्रु हैं। ष्हैंष्् इसलिए क्योंकि जीवन के साथ ही नही, शरीर त्याग के बाद भी उनका कोई विरोधी नहीं है, ऐसा चुम्बकिय व्यक्तित्व सदियों में एक बार साकार होता है।

भारत में सुशासन की आधुनिक अवधारणा को अटल जी ने अपनी नितियों और नेतृत्व से प्रेषित किया।

आज गीता जयंती का भी शुभ दिवस है, गीता में भी दान को अत्यंत ही पावन कार्य माना गया है।

"यज्ञदानतपः कर्म न त्याज्यं कार्यमेव तत्'

यज्ञो दानं तपश्चैव पावनानि मनीषिणाम" (गीता 18/5)

भावार्थः- दान मानव जीवन को पवित्र करने वाला कार्य है। मनुष्य को दान करना चाहिए। हमारा नीति शास्त्र भी यही कहता है।

आज अटल जी की जयंती तथा गीता जयंती पर ब्लड बैंक में स्वःरक्तदाताओं ने रक्तदान कर उन्हें याद किया और उनके प्रति अपना आदर व्यक्त किया, तथा गीता के अनुसार जो दान कर्तव्य समझकर बिना किसी अहंभाव के निःस्वार्थ किया जाता है वही दान उत्तम श्रेंणीं का है। रक्तदान शिविर मे श्री अमित सिहं पटेल, अजय जायसवाल, विकास मिश्रा, अमर सिहं इत्यादि रक्तदाता प्रमुख हैं। इस अवसर पर चिकित्सालय के अधिकारी, चिकित्सक तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।